पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–06 31 मार्च, 2025

उदासीन अरि मीत हित सुनत जरहिं खल रीति।
जानि पानि जुग जोरि जन बिनती करइ सप्रीति।।

दुष्टों की यह रीति है कि वे उदासीन, शत्रु अथवा मित्र किसी का भी हित सुनकर जलते हैं। यह जानकर दोनों हाथ जोड़कर यह जन प्रेमपूर्वक उनसे विनय करता है। **–श्रीरामचरितमानस (बालकाण्ड/4)**

बधाई (चयन/पदोन्नति)

स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निम्नलिखित संकाय सदस्यों को उनके नाम के आगे दिए गए पद के लिए चयनित/पदोन्नत किया गया है:–

संकाय सदस्य का नाम	पिछला पदनाम	नया पदनाम	विभाग/केन्द्र	वेतनमान
प्रो. दिव्या द्विवेदी	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. अंकुश अग्रवाल	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. ऋत्विक दास	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स केन्द्र	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. अमलेन्दु कुमार दुबे	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	प्रबन्ध अध्ययन विभाग	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. अनूप सिंह	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. सैकत सरकार	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	सिविल इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. आर्या वी.	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I	सह प्रोफेसर	सिविल इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. अर्नब बैनर्जी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I	सह प्रोफेसर	सिविल इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. विवेक वेंकटरमण	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. विजयकुमार नारायण दास बहेती	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)

प्रो. मिनाती डे	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	गणित विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. विकास विक्रम सिंह	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	गणित विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. नीरू चौधरी	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	प्रबन्ध अध्ययन विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)
प्रो. सुमित कुमार चट्टोपाध्याय	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-I	सह प्रोफेसर	ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)

संकायाध्यक्षों/सह संकायाध्यक्ष की नियुक्ति एवं विस्तार

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/387992 दिनांक 28.03.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने निम्नलिखित संकायाध्यक्षों/सह संकायाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया है।

पदनाम	संकाय सदस्य का नाम	अवधि
संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास)	प्रो. अश्विनी कुमार अग्रवाल वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग	01.04.2025 से आगामी 2 वर्ष के लिए
संकायाध्यक्ष (कॉर्पोरेट संबंध)	प्रो. प्रीति रंजन पाण्डा कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	02.04.2026 तक विस्तार
सह संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास)	प्रो. राजेन्द्र सिंह भौतिकी विभाग	31.03.2026 तक विस्तार

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/2025/384487 दिनांक 21.03.2025 के अनुसार **प्रो. कृष्ण कांत** ने 17.03.2025 से संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. कृष्ण कांत को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/386083 दिनांक 25.03.2025 के अनुसार **सुश्री ममता सिन्हा** ने 12.03.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–10 में कांउसलर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से कांउसलिंग सेवा कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/384495 दिनांक 21.03.2025 के अनुसार **डॉ. मीनाक्षी,** पोस्ट डॉक्टरल फेलो (कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 20.03.2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. मीनाक्षी को 20.03.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/E-2/2025/385016 दिनांक 24.03.2025 के अनुसार **श्री कुमार देश बंधु,** सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 01.04.2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः श्री कुमार देश बंधु को 01.04.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया जाएगा।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय/स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 मार्च, 2025 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

श्री राजेन्द्र खट्टर (26193), उप तकनीकी अधिकारी, वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग



श्री राजेन्द्र खट्टर ने 11 मई, 1983 को कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 जून, 1991 में आपको आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में चयनित किया गया। 10 जनवरी, 1992 मे आपको वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में नियुक्त किया गया। 01 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको प्रयोगशाला सहायक के रूप में मैप किया गया तथा 01 फरवरी, 2004 को

इसी योजना के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 10 जनवरी, 2012 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको 4600/- रु. ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया। 10 जनवरी, 2022 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको लेवल-8 में उन्नयन दिया गया। 22 दिसम्बर, 2022 में आर. ऐन्ड पी.आर. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया गया तथा 20 फरवरी, 2023 को डी.पी.सी. के अन्तर्गत उप तकनीकी अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। विनम्र स्वभाव के श्री राजेन्द्र खट्टर एक मेहनती एवं कर्मठ उप तकनीकी अधिकारी रहे हैं।

श्री जय राम सिंह (70108), कनिष्ठ सहायक (वर्कचार्ज), निर्माण अनुभाग



श्री जय राम सिंह ने 31 मार्च, 1989 को संस्थान में ग्रुप 'डी' हेल्पर/बेलदार के रूप में 800-1150 /—रु. के वेतनमान मे कार्यभार ग्रहण किया था। 01 अप्रैल, 1997 मे आपको 3050-4590/—रु. के वेतनमान में पदोन्नत किया गया। 01 सितम्बर, 2008 में आपको एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत 5200-20200/—रु. के वेतनमान में 2000/—रु. के ग्रेड वेतन में पदोन्नत किया गया। 23 फरवरी, 2017 में आपको ग्रुप 'डी' से ग्रुप 'सी' में कनिष्ठ सहायक के रूप में पदनामित किया गया। 01 सितम्बर, 2018 में एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको लेवल-4 में उन्नयन दिया गया। मृदु स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के श्री जय राम सिंह एक मेहनती एवं कर्मठ कनिष्ठ सहायक रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान_दिल्ली अस्पताल

भा.प्रौ.सं. दिल्ली, अस्पताल से दिनांक 19.03.2025 को मिली विज्ञप्ति के अनुसार संस्थान निदेशक द्वारा अस्पताल में डिजिटल रेडियोग्राफी और पेशेंट ट्रांसपोर्ट एम्बुलेंस का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में उठाया गया है। डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा से मरीजों को अब तेज और अधिक सटीक डायग्नोस्टिक रिपोर्ट्स मिल सकेंगी, जिससे उपचार प्रक्रिया और प्रभावी होगी। वहीं आपातकालीन स्थितियों में नई पेशेंट ट्रांसपोर्ट एम्बुलेंस मरीजों को सुरक्षित और समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद करेगी। इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अस्पताल की पूरी टीम ने अथक प्रयास किए हैं। डॉक्टरों, टेक्नीशियनों, प्रशासनिक कर्मचारियों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करने में अपना योगदान दिया है। यह पहल न केवल संस्थान के प्रगतिशील दृष्टिकोण को दर्शाती है, बल्कि मरीजों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि भी है।



निदेशक महोदय तथा अध्यक्ष, अस्पताल सेवाओं के साथ उद्घाटन करते हुए

राजभाषा नियम 1976 नियम 5

राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर आवश्यक रूप से हिंदी में दिया जाना अनिवार्य है। अतः सभी विभाग/केन्द्र/अनुभाग/प्रकोष्ठ/ एकक आदि के प्रमुखों से अनुरोध है कि हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में दें और उनका रिकॉर्ड रखें।

ग्रोक के 'तूफानी' जवाबों के पीछे क्या हैं राज ?

टेक्नोलॉजीः डिजाइन में निहित होने के साथ–साथ ग्रोक को उसकी बेबाक प्रवृत्ति उसके प्रशिक्षण डेटा से भी मिली होगी

भारत में चैटजीपीटी के बाद अगर कोई एआइ मॉडल चर्चा में आया है तो वह है एलन मस्क की एक्सएआइ कंपनी का 'ग्रोक 3' जिसने अपनी अनफिल्टर्ड और दबंग टिप्पणियों से हंगामा मचा रखा है। एलन मस्क की ही तरह यह भी बेबाक है। जो ठीक लगता है उसे कह डालता है। वह इस बात की परवाह नहीं करता कि सवाल कौन पूछ रहा है और किसके बारे में पूछ रहा है। उसके साथ शराफत की भाषा में बात करेंगे तो जवाब भी शरीफों वाला ही मिलेगा, लेकिन शालीनता तोड़ेंगे तो उसकी प्रतिक्रिया 'जैसे को तैसा' वाली होगी। इससे किसी का मनोरंजन हो रहा है तो किसी को बेइज्जती महसूस हो रही है। लगता है जैसे हम हिंदुस्तानियों को एक मजेदार खिलौना थमा दिया गया है और सारा देश उसके साथ खेलने में लगा हुआ है।

ग्रोक 3 के जवाबों की बाढ़ से बहुत सारे सवाल उठ खड़े हुए हैं। लेकिन यह जान लीजिए कि ग्रोक 3 बहक नहीं गया है। हालांकि एआइ मॉडलों की तरफ से बहके–बहके जवाब दिया जाना एक आम बात है जिसे हैलुसिनेशन कहते हैं। एलन मस्क को ग्रोक की टिप्पणियों से कोई ताज्जुब नहीं हुआ है। उन्होंने भारत के घटनाक्रम पर बीबीसी के एक लेख की प्रतिक्रिया में ठहाके लगाने वाला इमोजी पोस्ट किया है। मतलब 'सब चंगा सी' मस्क ग्रोक 3 को इसे दुनिया की 'सबसे स्मार्ट' और 'सच्चाई की खोज में लगा एआइ' मानते हैं। वह दूसरों से अलग है, यह बात तो अब अच्छी तरह साबित हो चुकी है। ग्रोक 3 को लॉन्च करते समय मस्क ने कहा था कि यह (दूसरे मॉडलों की तरह) 'वोक' नहीं होगा, जिसका अर्थ 'पॉलिटिकलीकरेक्ट' का उल्टा है। यानी बेबाक, बेलाग, लिहाज–रहित और बिंदास संवाद करने की तबीयत इसमें जान–बूझकर डाली गई है। यही उसका स्वाभाविक अंदाज है। वह डिप्लोमेटिक भाषा में सुरक्षित किस्म के उत्तर देने वाला नहीं है। वह आम इंसान की तरह ही बर्ताव करता है। हमारे जैसी ही सोच, भाषा, जिंदादिली, हंसी–मजाक, दोस्तबाजी और गाली–गुपचा उसके लिए स्वाभाविक बर्ताव है। जहां ज्यादातर एआइ चैटबॉट औपचारिक किस्म की भाषा–शैली और नजरिया रखते हैं वहीं यह कई तरह की भूमिकाएं अपना सकता है जैसे प्रोफेसर, रोमांटिक और सेक्सी भी। इन दिनों जो हंगामा मचा है, वह उसके अनहिंज्ड नामक रूप की वजह से है जिसका मतलब है 'बिना लाग–लपेट के'। ग्रोक ने तो खुद मस्क, अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, और उपराष्ट्रपति जेडी वैस के बारे में कहा था कि ये तीनों अमरीका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं! भारतीय राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर भी ग्रोक की टिप्पणियों से हंगामा बरपा है। राजनीतिक दलों और नेताओं पर उसके विवादास्पद जवाब चर्चाओं में हैं।

डिजाइन में निहित होने के साथ–साथ ग्रोक को उसकी बेबाक प्रवृत्ति उसके प्रशिक्षण डेटा से भी मिली होगी। यह डेटा मस्क की दूसरी कंपनी एक्स (ट्विटर) से आया है। जहां दुनिया भर के लोग जैसी चाहें, टिप्पणियां करते हैं। हालांकि उसके प्रशिक्षण में दूसरा डेटा भी इस्तेमाल हुआ है लेकिन एक्स के कंटेंट पर तो उसका विशेषाधिकार है। इस प्लेटफॉर्म पर मजाकिया, कटाक्ष–पूर्ण और अमर्यादित भाषा के साथ–साथ कीचड़ उछालने, आरोप–प्रत्यारोपों, फेक न्यूज और ट्रॉलिंग जैसी प्रवृत्तियां आम है– तो जैसा इनपुट होगा, वैसा ही आउटपुट होगा। आपने रोबोट्स वाली कुछ फिल्मों में देखा ही होगा कि जहां एक ओर वे इंसानों से अच्छा बर्ताव सीखते हैं वहीं दूसरी ओर उनकी बुरी आदतें भी सीख जाते हैं।

बहरहाल, इस प्रशिक्षण का एक लाभ ग्रोक को जरूर हुआ है कि हिंदी सहित दर्जनों भाषाओं पर उसकी बहुत अच्छी पकड़ हो गई है। उसकी हिंदी उतनी मशीनी नहीं लगती जितनी कि दूसरे एआइ मॉडलों या मशीन अनुवाद की होती है। सवाल है कि क्या कोई एआइ मॉडल किसी के बारे में 'कुछ भी कह सकता है और उसे ऐसा करते रहने दिया जा सकता है ?' यह क्या बात हुई कि कोई (बेजान तकनीक ही सही) किसी के भी बारे में कुछ भी कह दे और लोग सार्वजनिक मंचों पर उसके मजे लेते रहें। इस प्रक्रिया में जिनका नुकसान हो रहा है उनका क्या ? लेकिन मुद्दा एकतरफा नहीं है। एक तरफ किसी की मानहानि, गलत तथ्यों के प्रसारण, बदसलूकी और गैर–जिम्मेदाराना बर्ताव का प्रश्न है जिसे खुद एआइ उद्योग गलत मानता है और इसी संदर्भ में सैमऑल्टमैन (ओपनएआइ के सीईओ) जैसे लोग भी एआइ के विनियमन की बात कह चुके हैं। दूसरी तरफ अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है जिसके बारे में फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि क्या वह सिर्फ इंसानों के लिए है या गैर–इंसानों पर भी लागू होता है। भारत सरकार ने एक्सएआइ से संपर्क किया है। लेकिन मस्क तो मस्क हैं। ऐसे में जबकि उनके चैटबॉट के खिलाफ सरकारी कार्रवाई की संभावना लग रही थी उन्होंने चौकाने वाला कदम उठाते हुए खुद ही भारत सरकार को कर्नाटक हाईकोर्ट में घसीट लिया है। उन्होंने सरकार पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 (3) का इस्तेमाल करते हुए ऑनलाइन कंटेंट की सेंसरशिप का आरोप लगाया है।

याद रहे, अतीत में जब गूगल के जेमिनी नामक चैटबॉट ने हमारे नेताओं के बारे में कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं तब सरकार की नाराजगी के चलते गूगल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। ग्रोक 3 प्रकरण में अभी कई अध्याय खुलने बाकी है। संभव है कि सरकार उसे सार्वजनिक चेतावनी दे या वैसी ही कोई एडवाइजरी जारी करे जैसी दिसंबर 2023 में जारी की गई थी। तब सरकार ने डीपफेक की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सभी संबंधित कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे मौजूदा आइटी कानूनों का सख्ती से पालन करें। अलबत्ता, इस मामले ने एआइ के नैतिक और जिम्मेदाराना प्रयोग के मुद्दे को पुनर्जीवित कर दिया है जिससे उसे नियामकीय निगरानी के दायरे में लाए जाने की बहस फिर गर्म होगी।

–बालेन्दु शर्मा 'दाधीच'
लेखक वरिष्ठ सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com